सायंप्रातः की आरती

भगवान नित्यानन्द की चान्द्र पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में

ॐ! पार्वती के पति को नमस्कार। हर, हर, हर, महादेव!

गणेशपुरी पवित्र योगभूमि है,
जहाँ समर्थ योगीराज का वास है।
जिनका स्मरण मात्र करने से परमानन्द की प्राप्ति होती है,
उन श्रीनित्यानन्द महाराज को मैं नमस्कार करता हूँ!

हम उन श्रीअवधूत की आरती करते हैं।
उनकी जय-जयकार हो! उनकी जय-जयकार हो!
हम उन श्रीगुरुनाथ की आरती करते हैं।

आप अपने भक्तों को ज्ञान-दान देकर
उन्हें शाश्वत सुख प्रदान करते हैं।

मैं-तू का भाव हरकर, आप चित्त का समताभाव देते हैं।

हे नित्यानन्द, आप सच में भगवान दत्तात्रेय हैं,
आप हरिहर हैं, जगत के त्राता [जगत के रक्षक] हैं।

मुक्तानन्द का कहना है,
"हे श्रीगुरुदेव आप ही माता-पिता हैं।"

'स्वाध्याय सुधा' से सम्पादित अनुवाद, [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१६], पृ १२८-१२९